भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग

**प्रेस विज्ञप्ति**
**तारीखः 01 जुलाई, 2026**
**जारी करने का समय:1400 घंटे**

**विषय: (i) अगले 2 दिनों के दौरान दक्षिण-पश्चिम मॉनसून के गुजरात, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली और पंजाब के कुछ और हिस्सों तथा राजस्थान के कुछ हिस्सों में आगे बढ़ने के लिए स्थितियां अनुकूल हैं।**
**(ii) 3 जुलाई, 2026 के आसपास उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर कम दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है। इसके परिणामस्वरूप, अगले 5-6 दिनों के दौरान देश के मध्य भागों में मॉनसून के सक्रिय रहने की संभावना है।**
**(iii) 1 से 5 तारीख के दौरान दक्षिण गुजरात क्षेत्र और कोंकण में; 1 और 2 तारीख को तटीय कर्नाटक में; 2 से 5 तारीख के दौरान मध्य महाराष्ट्र में; और 3 व 4 जुलाई को दक्षिण-पश्चिम मध्य प्रदेश में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।**

**दक्षिण-पश्चिम मॉनसून 2026 का आगे बढ़ना (अनुबंध I):**

- आज, 01 जुलाई 2026 को दक्षिण-पश्चिम मॉनसून उत्तरी अरब सागर, गुजरात, पूरे दमन और दीव, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के कुछ और हिस्सों, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और लद्दाख के बचे हुए हिस्सों, पूरे जम्मू-कश्मीर और हरियाणा और पंजाब के कुछ हिस्सों में आगे बढ़ गया है।
- 01 जुलाई तक मॉनसून की उत्तरी सीमा 22°N/60°E, 22°N/65°E, पोरबंदर, वल्लभ विद्यानगर, शाजापुर, नौगांव, मिर्जापुर, आजमगढ़, अयोध्या, बदायूं, मेरठ, करनाल, गुरदासपुर और 32.8°N/73°E से होकर गुजरती है।
- अगले 2 दिनों के दौरान दक्षिण-पश्चिम मॉनसून के उत्तरी अरब सागर, गुजरात, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली और पंजाब के कुछ और हिस्सों और राजस्थान के कुछ हिस्सों में आगे बढ़ने के लिए स्थितियां अनुकूल हैं।

**आज, 01 जुलाई 2026 को सुबह 08:30 बजे IST तक पिछले 24 घंटों में हुआ मौसम:**

- कोंकण, गुजरात क्षेत्र और तटीय कर्नाटक में कुछ जगहों पर बहुत ज़्यादा बारिश (≥21 सेमी) दर्ज की गई है।
- कोंकण और तटीय कर्नाटक में कई जगहों पर; गुजरात क्षेत्र में कुछ जगहों पर; और मध्य महाराष्ट्र, गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल, ओडिशा और पश्चिमी मध्य प्रदेश में कुछ जगहों पर बहुत भारी बारिश (12-20 सेमी) दर्ज की गई है।
- कोंकण, हिमाचल प्रदेश, पश्चिमी मध्य प्रदेश, ओडिशा, केरल और तटीय कर्नाटक में कई/कुछ जगहों पर; और उत्तराखंड, पंजाब, उत्तर प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, मध्य महाराष्ट्र, सौराष्ट्र, तमिलनाडु, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, बिहार, झारखंड और विदर्भ में कुछ जगहों पर भारी बारिश (7-11 सेमी) दर्ज की गई है।
- पश्चिमी उत्तर प्रदेश और बिहार में कुछ जगहों पर 60-80 किमी/घंटा की रफ़्तार वाली तेज़ हवाओं के साथ आंधी-तूफान; और उत्तराखंड, हरियाणा, मध्य प्रदेश, मराठवाड़ा, मध्य महाराष्ट्र, सौराष्ट्र और कच्छ, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम, गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल, झारखंड और ओडिशा में कुछ जगहों पर 40-60 किमी/घंटा की रफ़्तार वाली तेज़ हवाओं के साथ आंधी-तूफान की स्थिति रही।

**मौसम प्रणालियां, पूर्वानुमान और चेतावनियां (अनुबंध II और III):**

- पंजाब से उत्तरी बंगाल की खाड़ी तक समुद्र तल पर एक मौसमी ट्रफ़ (कम दबाव का क्षेत्र) निचले क्षोभमंडल (ट्रोपोस्फेरिक) स्तर तक फैला हुआ है।
- समुद्र तल पर बना ऑफ-शोर ट्रफ़ अब दक्षिणी गुजरात से कर्नाटक तक फैला हुआ है।

- मध्य क्षोभमंडल की पश्चिमी हवाओं में एक नया पश्चिमी विक्षोभ (वेस्टर्न डिस्टर्बेंस) ट्रफ़ के रूप में देखा जा रहा है, जिसकी धुरी (एक्सिस) मध्य क्षोभमंडल स्तर पर लगभग 58°E देशांतर और 32°N अक्षांश के उत्तर में स्थित है।
- निचले क्षोभमंडल स्तर पर उत्तर प्रदेश के मध्य भागों के ऊपर हवा के ऊपरी स्तर का चक्रवाती परिसंचरण (साइक्लोनिक सर्कुलेशन) बना हुआ है।
- निचले क्षोभमंडल स्तर पर पंजाब और उसके आस-पास के इलाकों में हवा के ऊपरी स्तर का चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है।
- उत्तरी बंगाल की खाड़ी और उसके आस-पास के इलाकों में ऊपरी हवा में एक चक्रवाती परिसंचरण बन रहा है, जो ऊंचाई के साथ दक्षिण-पश्चिम की ओर झुक रहा है। इसके असर से, 3 जुलाई, 2026 के आसपास उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और उसके आस-पास के इलाकों में कम दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है।
- उत्तरी बंगाल की खाड़ी और उसके आस-पास के इलाकों में बने इसी चक्रवाती परिसंचरण से उत्तर-पूर्वी अरब सागर तक, मध्य और ऊपरी क्षोभमंडल में हवा का एक गर्त बन रहा है।पूर्वी बिहार और उसके आस-पास बना हवा के ऊपरी स्तर का चक्रवाती परिसंचरण अब निचले क्षोभमंडल स्तर पर उत्तरी छत्तीसगढ़ और उसके आस-पास स्थित है।
- सौराष्ट्र और उसके आस-पास के इलाकों में निचले और मध्य क्षोभमंडल स्तरों के बीच हवा के ऊपरी स्तर का चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है, जो ऊंचाई के साथ दक्षिण की ओर झुका हुआ है।

**ऊपर बताई गई प्रणालियों के असर से, निम्नलिखित मौसम की संभावना है:**

**उत्तर-पश्चिम भारत:**

- 1 से 7 जुलाई के दौरान हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद और उत्तराखंड में काफी बड़े इलाके से लेकर पूरे इलाके में बारिश होने की संभावना है।
- 2 से 7 जुलाई के दौरान हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली और पंजाब में; 1 से 2 जुलाई के दौरान पश्चिमी उत्तर प्रदेश में; 6 से 7 जुलाई के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश में; 5 से 7 जुलाई के दौरान पूर्वी राजस्थान में काफी बड़े इलाके से लेकर पूरे इलाके में बारिश होने की संभावना है।
- 1 जुलाई को हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली और पंजाब में; 3 से 7 जुलाई के दौरान पश्चिमी उत्तर प्रदेश में; 1 से 5 जुलाई के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश में; 1 से 7 जुलाई के दौरान पश्चिमी राजस्थान में; 1 से 4 जुलाई के दौरान पूर्वी राजस्थान में कहीं-कहीं बारिश होने की संभावना है।
- 1 से 7 जुलाई के दौरान जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली कड़कने और तेज हवाएं (40-50 किमी/घंटा की रफ्तार, जो 60 किमी/घंटा तक पहुंच सकती है) चलने की संभावना है।
- 1 से 7 जुलाई के दौरान पूर्वी राजस्थान, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली और पंजाब में; 1 से 2 जुलाई के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में; 3 से 5 जुलाई के दौरान पश्चिमी राजस्थान में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली कड़कने और तेज हवाएं (40-50 किमी/घंटा की रफ्तार, जो 60 किमी/घंटा तक पहुंच सकती है) चलने की संभावना है; साथ ही 1 से 2 जुलाई और 6 से 7 जुलाई के दौरान पश्चिमी राजस्थान में तेज हवाएं (30-40 किमी/घंटा की रफ्तार, जो 50 किमी/घंटा तक पहुंच सकती है) चलने की संभावना है।
- 1 से 2 जुलाई और 4 से 7 जुलाई के दौरान उत्तराखंड में; 3 जुलाई को पूर्वी उत्तर प्रदेश और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली कड़कने की संभावना है।
- 1 से 3 जुलाई के दौरान जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद में; 1, 4 और 7 जुलाई को हिमाचल प्रदेश में; 4 से 7 जुलाई के दौरान उत्तराखंड में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। पंजाब में 2-4 जुलाई और 6-7 जुलाई के दौरान; हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में 2-7 जुलाई के दौरान; पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 2-3 जुलाई के दौरान; पूर्वी उत्तर प्रदेश में 1-3 जुलाई और 6-7 जुलाई के दौरान; पूर्वी राजस्थान में 1-2 जुलाई और 5-7 जुलाई के दौरान बारिश की संभावना है। इसके साथ ही हिमाचल प्रदेश में 2-3 जुलाई और 5-6 जुलाई के दौरान; उत्तराखंड में 1-3 जुलाई के दौरान; पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 1 जुलाई को; पूर्वी राजस्थान में 3-4 जुलाई के दौरान कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश की भी संभावना है।
- पश्चिमी राजस्थान में 3-5 जुलाई के दौरान धूल भरी आंधी चलने की संभावना है।

**मध्य भारत:**

- छत्तीसगढ़, पूर्वी मध्य प्रदेश और पश्चिमी मध्य प्रदेश में 1-7 जुलाई के दौरान; विदर्भ में 1-5 जुलाई और 7 जुलाई को काफी बड़े इलाके में या व्यापक रूप से बारिश होने की संभावना है।
- विदर्भ में 6 जुलाई को कहीं-कहीं या छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- पश्चिमी मध्य प्रदेश में 1 जुलाई, 3-4 जुलाई और 6-7 जुलाई के दौरान; पूर्वी मध्य प्रदेश में 1 जुलाई और 6-7 जुलाई के दौरान; विदर्भ में 4 जुलाई और 7 जुलाई को; छत्तीसगढ़ में 3-7 जुलाई के दौरान कहीं-कहीं भारी बारिश की संभावना है। इसके साथ ही पश्चिमी मध्य प्रदेश में 2 जुलाई और 5 जुलाई को; पूर्वी मध्य प्रदेश में 2-5 जुलाई के दौरान; विदर्भ में 1-3 जुलाई के दौरान; छत्तीसगढ़ में 1-2 जुलाई के दौरान कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश की भी संभावना है।
- पूर्वी मध्य प्रदेश और पश्चिमी मध्य प्रदेश में 1 जुलाई को गरज के साथ तेज हवाएं (हवा की गति 50-60 किमी प्रति घंटा, झोंकों के साथ 70 किमी प्रति घंटा तक) चलने की संभावना है।
- पश्चिमी मध्य प्रदेश में 3 और 4 जुलाई को कई जगहों पर भारी से बहुत भारी बारिश और कुछ जगहों पर बहुत ज़्यादा भारी बारिश होने की संभावना है।
- मध्य प्रदेश में 1 जुलाई को मध्यम से तेज बिजली कड़कने की गतिविधि होने की संभावना है।

**पूर्वी भारत:**

- 1-7 जुलाई के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल, झारखंड, ओडिशा और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; और 1 जुलाई को बिहार में काफी बड़े इलाके से लेकर पूरे इलाके में बारिश होने की संभावना है।
- 2-7 जुलाई के दौरान बिहार में कुछ जगहों पर बारिश होने की संभावना है।
- 1-7 जुलाई के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और झारखंड में; 1 जुलाई और 3-7 जुलाई के दौरान गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में; 1-4 जुलाई के दौरान बिहार में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली कड़कने और तेज हवाएं (40-50 किमी/घंटा की रफ्तार, झोंके 60 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है; साथ ही 1-7 जुलाई के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; 2 जुलाई को गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में; 5-7 जुलाई के दौरान बिहार में तेज हवाएं (30-40 किमी/घंटा की रफ्तार, झोंके 50 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है।
- 1 जुलाई को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; 1 और 4 जुलाई को गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में; 1-2 जुलाई और 5-6 जुलाई के दौरान झारखंड में; 1-4 जुलाई के दौरान बिहार में; 7 जुलाई को ओडिशा में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है; साथ ही 5-7 जुलाई के दौरान गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में; 1-6 जुलाई के दौरान ओडिशा में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।
- 1 जुलाई को गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल और झारखंड में; 1 और 4 जुलाई को बिहार में मध्यम से तेज बिजली कड़कने की गतिविधि होने की संभावना है।

**पूर्वोत्तर भारत:**

- 1-2 जुलाई के दौरान अरुणाचल प्रदेश में; 1 जुलाई को असम और मेघालय में; 1-4 जुलाई के दौरान नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में काफी व्यापक से व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- 3-7 जुलाई के दौरान अरुणाचल प्रदेश में; 2-7 जुलाई के दौरान असम और मेघालय में; 5-7 जुलाई के दौरान नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में कहीं-कहीं या छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- 1-2 जुलाई के दौरान अरुणाचल प्रदेश में; 1-5 जुलाई के दौरान असम और मेघालय तथा नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- 1 जुलाई को अरुणाचल प्रदेश में; 1 जुलाई और 3-5 जुलाई के दौरान असम और मेघालय में; 1-5 जुलाई के दौरान नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है।

**पश्चिम भारत:**

- 1-7 जुलाई के दौरान गुजरात क्षेत्र, कोंकण और गोवा तथा मध्य महाराष्ट्र में; 1-5 जुलाई के दौरान मराठवाड़ा में; 4-6 जुलाई के दौरान सौराष्ट्र और कच्छ में काफी व्यापक से व्यापक बारिश होने की संभावना है।

- 6-7 जुलाई के दौरान मराठवाड़ा में; 1-3 जुलाई और 7 जुलाई को सौराष्ट्र और कच्छ में कहीं-कहीं या छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- 1-4 जुलाई के दौरान मध्य महाराष्ट्र में; 1-3 जुलाई के दौरान मराठवाड़ा में; 1-5 जुलाई के दौरान गुजरात क्षेत्र और सौराष्ट्र और कच्छ में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज हवाएं (40-50 किमी/घंटा की गति, जो 60 किमी/घंटा तक पहुंच सकती है) चलने की संभावना है।
- 1-5 जुलाई के दौरान गुजरात क्षेत्र और कोंकण और गोवा में; 2-5 जुलाई के दौरान मध्य महाराष्ट्र में; 1 जुलाई को मराठवाड़ा में; 6 जुलाई को सौराष्ट्र और कच्छ में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है, साथ ही 6-7 जुलाई के दौरान गुजरात क्षेत्र और कोंकण और गोवा में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की भी संभावना है। मध्य महाराष्ट्र में 1 जुलाई और 6-7 जुलाई के दौरान; सौराष्ट्र और कच्छ में 1-5 जुलाई के दौरान।
- 01-05 जुलाई के दौरान गुजरात क्षेत्र, कोंकण और गोवा में कई जगहों पर भारी से बहुत भारी बारिश और कुछ जगहों पर बहुत ज़्यादा भारी बारिश होने की संभावना है; मध्य महाराष्ट्र में 02-05 जुलाई के दौरान।

**दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:**

- 1-7 जुलाई के दौरान रायलसीमा और तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में कहीं-कहीं या कुछ जगहों पर बारिश होने की संभावना है; 3-5 जुलाई के दौरान उत्तरी आंतरिक कर्नाटक और दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में; 1-4 जुलाई के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में; 3-7 जुलाई के दौरान तेलंगाना में।
- 1-7 जुलाई के दौरान तटीय कर्नाटक, केरल और माहे और लक्षद्वीप में काफी ज़्यादा या व्यापक रूप से बारिश होने की संभावना है; 1-2 जुलाई और 6-7 जुलाई के दौरान उत्तरी आंतरिक कर्नाटक और दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में; 5-7 जुलाई के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में; 1-2 जुलाई के दौरान तेलंगाना में।
- 1-4 जुलाई के दौरान केरल और माहे, लक्षद्वीप और तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज़ हवाएं (40-50 किमी/घंटा की गति, झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है; 1-5 जुलाई के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम और रायलसीमा में; 4-7 जुलाई के दौरान तेलंगाना में; साथ ही 1-7 जुलाई के दौरान तटीय कर्नाटक, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक और दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में तेज़ हवाएं (30-40 किमी/घंटा की गति, झोंकों के साथ 50 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है; 1-3 जुलाई के दौरान तेलंगाना में।
- 3-4 जुलाई के दौरान तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है; 2-7 जुलाई के दौरान केरल और माहे में; 1 जुलाई को लक्षद्वीप में; 1-2 जुलाई और 5-7 जुलाई के दौरान तटीय कर्नाटक में; 1-7 जुलाई के दौरान उत्तरी अंदरूनी कर्नाटक; 1-4 जुलाई के दौरान दक्षिणी अंदरूनी कर्नाटक; 1 जुलाई और 4-6 जुलाई के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम; 1-2 जुलाई के दौरान तेलंगाना; साथ ही 1 जुलाई को केरल और माहे में भी कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश की संभावना है; 3-4 जुलाई के दौरान तटीय कर्नाटक; 5-7 जुलाई के दौरान दक्षिणी अंदरूनी कर्नाटक।
- 1-7 जुलाई के दौरान तटीय कर्नाटक, उत्तरी अंदरूनी कर्नाटक और दक्षिणी अंदरूनी कर्नाटक; 1-5 जुलाई के दौरान रायलसीमा; 4-7 जुलाई के दौरान तेलंगाना में ज़ोरदार सतही हवाएं चलने की संभावना है।
- 01 और 02 तारीख को तथा 05-07 जुलाई के दौरान तटीय कर्नाटक में कई जगहों पर भारी से बहुत भारी बारिश और कुछ जगहों पर बहुत ज़्यादा भारी बारिश होने की संभावना है।

**अधिकतम/दिन के तापमान का पूर्वानुमान:**

- 07 जुलाई, 2026 तक देश के बाकी हिस्सों में अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है।

**गर्म और उमस भरे मौसम की स्थितियों की चेतावनी:**

- 3-5 जुलाई के दौरान अरुणाचल प्रदेश; 2-5 जुलाई के दौरान असम और मेघालय; 2-3 जुलाई के दौरान नागालैंड, मणिपुर, मिज़ोरम और त्रिपुरा में गर्म और उमस भरे मौसम की स्थिति बने रहने की संभावना है।

**मछुआरों के लिए चेतावनी:**

मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे इन इलाकों में न जाएं:

- अरब सागर:1 से 6 जुलाई के दौरान गुजरात, कोंकण, गोवा और कर्नाटक के तटों के पास और उनसे दूर, और उनसे सटे पूर्वी-मध्य और उत्तर-पूर्वी अरब सागर; सोमालिया और ओमान के तटों के पास और उनसे दूर; दक्षिण-पश्चिम अरब सागर के कुछ हिस्सों, मध्य अरब सागर के ज़्यादातर हिस्सों और उत्तर अरब सागर के कुछ हिस्सों में; 1 से 5 जुलाई के दौरान केरल के तटों के पास और उनसे दूर, और लक्षद्वीप इलाके में।
- बंगाल की खाड़ी:1 और 5 जुलाई को मन्नार की खाड़ी और उससे सटे कोमोरिन इलाके में; 1 जुलाई को दक्षिण श्रीलंका के तटों और उनसे सटे दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी में; 4 से 6 जुलाई के दौरान दक्षिण बंगाल की खाड़ी के कई हिस्सों में; 2 से 6 जुलाई के दौरान ओडिशा के तटों के पास और उनसे दूर, और मध्य व उत्तर बंगाल की खाड़ी (जो दक्षिण बंगाल की खाड़ी से सटे हैं) के कई हिस्सों में; 3 से 6 जुलाई के दौरान गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल और उत्तरी आंध्र प्रदेश के तटों के पास और उनसे दूर; 6 जुलाई तक अंडमान सागर में।

**दिल्ली/एनसीआर में मौसम स्थिति एवं पूर्वानुमान: 01 जुलाई से 04 जुलाई 2026 (अनुलग्नक IV देखें)**

**अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:**

**https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forcast_bulletin.php**
**जिला-वार चेतावनियों के लिए: https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php**
**मछुआरों की चेतावनी के लिए: https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php**

**दर्ज की गई उल्लेखनीय बारिश (cm में) (कल सुबह 08:30 बजे IST से आज सुबह 08:30 बजे IST तक):**

- कोंकण: वाडा (पालघर) 23;
- गुजरात क्षेत्र: दमन 21;
- तटीय कर्नाटक: मुल्की (ज़िला दक्षिण कन्नड़) 26, मानकी (ज़िला उत्तर कन्नड़) 21, मंगलुरु AP Obsy (ज़िला दक्षिण कन्नड़) 13;
- ओडिशा: बौध 17;
- गंगीय पश्चिम बंगाल: सागर द्वीप 13;
- पूर्वी उत्तर प्रदेश: कतर्नियाघाट (बहराइच) 11;
- मध्य महाराष्ट्र: गगनबावड़ा (खोलापुर) 11;
- बिहार: भागलपुर 10;
- हिमाचल प्रदेश: नगरोटा सूरियां (कांगड़ा) 10;
- छत्तीसगढ़: छोटेडोंगर (नारायणपुर) 10;
- पंजाब: केवीके पठानकोट एडब्ल्यूएस (जिला पठानकोट) 9;
- पश्चिमी उत्तर प्रदेश: बिजनोर 9;
- केरल: बयार (जिला कासरगोड), मडिक्कई (जिला कासरगोड), मुलियार (जिला कासरगोड)
- कासरगोड) 9 प्रत्येक;
- विदर्भ: गोंदिया 9;
- पश्चिमी मध्य प्रदेश: खातेगांव (देवास) 11;
- सौराष्ट्र: सावरकुंडला (अमरेली) 8;
- तमिलनाडु: चिन्नाकलार (कोयंबटूर) 8;
- झारखंड: बहरागोड़ा 8;
- पूर्वी मध्य प्रदेश: बिरसिंगपुर (जिला सतना) 9, बालाघाट-एडब्ल्यूएस (जिला बालाघाट) 8;
- असम: केवीके मोरीगांव 8;
- उत्तराखंड: पिथोरागढ़ 7;
- दक्षिण आंतरिक कर्नाटक: अगुम्बे एडब्ल्यूएस (जिला शिवमोग्गा) 7|

**तेज़ हवाएँ (>=40 किमी प्रति घंटे में) (कल के 0830 बजे IST से आज के 0830 बजे IST तक):**

- तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल: वासु_नमक्कल (नमक्कल) 56, कोयंबटूर_अम्फु (कोयंबटूर) 52, विजयनगरम (द_नीलगिरिस) 54
- अंडमान और निकोबार द्वीप समूह: श्री विजयपुरम - 54
- सौराष्ट्र और कच्छ: 54 किमी प्रति घंटा खावड़ा (K)
- पश्चिमी मध्य प्रदेश:- स्टेशन सीहोर- 48; ग्वालियर - 41; उज्जैन - 41;
- कोंकण और गोवा: दापोली (रत्नागिरी) - 48; कर्जत (रायगढ़)-46
- मध्य महाराष्ट्र: कलवान (नासिक) - 48; सोलापुर - 44
- पूर्वी मध्य प्रदेश: रीवा - 46; सीधी - 43;
- उत्तराखंड: जॉलीग्रांट - 44;
- विदर्भ: वर्धा - 44; अकोला - 41;
- मराठवाड़ा: पोखरनी (नांदेड़) - 44; चाकुर (लातूर)-43
- झारखंड: रांची - 43
- गुजरात क्षेत्र: अर्नेज 43
- हिमाचल प्रदेश: हमीरपुर - 41|

अनुलग्नक ।

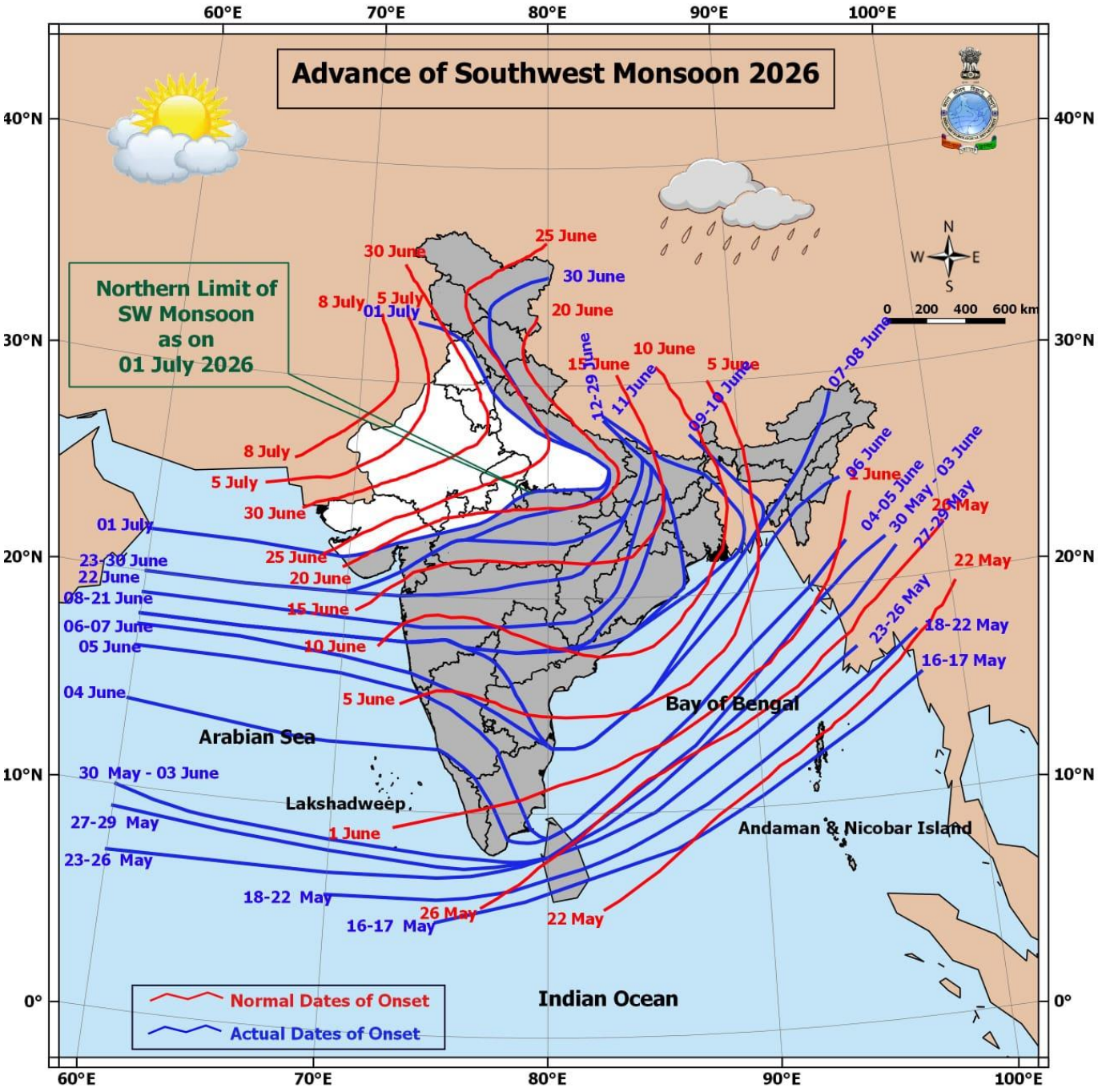


Advance of Southwest Monsoon 2026
Northern Limit of SW Monsoon as on 01 July 2026
Arabian Sea
Bay of Bengal
Lakshadweep
Andaman & Nicobar Island
Indian Ocean
Normal Dates of Onset
Actual Dates of Onset
0 200 400 600 km
N
W
E
S
60°E
70°E
80°E
90°E
100°E
40°N
30°N
20°N
10°N
0°
8 July
5 July
30 June
25 June
20 June
15 June
10 June
5 June
1 June
26 May
22 May
20 May
01 July
23-30 June
22 June
08-21 June
06-07 June
05 June
04 June
30 May - 03 June
27-29 May
23-26 May
18-22 May
16-17 May
30 June
12-29 June
11 June
09-10 June
07-08 June
06 June
04-05 June

अनुलग्नक II

| Table-1 | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 7 Days Rainfall Forecast | | | | | | | | |
| S.No. | Subdivision | 1- Jul | 2- Jul | 3- Jul | 4- Jul | 5- Jul | 6- Jul | 7- Jul |
| | | Day 1 | Day 2 | Day 3 | Day 4 | Day 5 | Day 6 | Day 7 |
| 1 | ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS | WS | WS | WS | WS | WS | WS | WS |
| 2 | ARUNACHAL PRADESH | FWS | FWS | SCT | SCT | SCT | SCT | SCT |
| 3 | ASSAM & MEHGHALAYA | FWS | SCT | SCT | SCT | SCT | SCT | SCT |
| 4 | NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA | FWS | FWS | FWS | FWS | SCT | SCT | SCT |
| 5 | SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM | WS | FWS | FWS | FWS | FWS | FWS | FWS |
| 6 | GANGETIC WEST BENGAL | FWS | FWS | FWS | WS | WS | WS | WS |
| 7 | ODISHA | WS | WS | WS | WS | WS | WS | WS |
| 8 | JHARKHAND | WS | WS | FWS | FWS | FWS | FWS | FWS |
| 9 | BIHAR | FWS | SCT | SCT | ISOL | ISOL | ISOL | ISOL |
| 10 | EAST UTTAR PRADESH | SCT | SCT | ISOL | ISOL | SCT | FWS | FWS |
| 11 | WEST UTTAR PRADESH | FWS | FWS | SCT | SCT | SCT | SCT | SCT |
| 12 | UTTARAKHAND | WS | WS | WS | FWS | FWS | FWS | FWS |
| 13 | HARYANA, CHANDIGARH & DELHI | SCT | FWS | FWS | FWS | FWS | FWS | FWS |
| 14 | PUNJAB | SCT | FWS | FWS | FWS | FWS | FWS | FWS |
| 15 | HIMACHAL PRADESH | WS | WS | WS | FWS | WS | WS | FWS |
| 16 | JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH | WS | WS | WS | FWS | FWS | FWS | FWS |
| 17 | WEST RAJASTHAN | ISOL | ISOL | ISOL | ISOL | ISOL | ISOL | ISOL |
| 18 | EAST RAJASTHAN | ISOL | SCT | SCT | SCT | FWS | FWS | FWS |
| 19 | WEST MADHYA PRADESH | FWS | FWS | WS | WS | WS | WS | WS |
| 20 | EAST MADHYA PRADESH | FWS | WS | WS | WS | WS | FWS | FWS |
| 21 | GUJRAT REGION | FWS | FWS | WS | WS | FWS | FWS | FWS |
| 22 | SAURASHTRA & KUTCH | SCT | SCT | SCT | FWS | FWS | FWS | SCT |
| 23 | KONKAN & GOA | WS | WS | WS | WS | WS | WS | WS |
| 24 | MADHYA MAHARASHTRA | FWS | FWS | WS | WS | WS | WS | WS |
| 25 | MARATHWADA | FWS | WS | WS | FWS | FWS | SCT | SCT |
| 26 | VIDARBHA | WS | WS | WS | FWS | FWS | SCT | FWS |
| 27 | CHHATTISGARH | WS | WS | WS | WS | WS | WS | FWS |
| 28 | COASTAL ANDHRA PRADESH | SCT | SCT | SCT | SCT | FWS | FWS | FWS |
| 29 | TELANGANA | FWS | FWS | SCT | SCT | ISOL | ISOL | ISOL |
| 30 | RAYALASEEMA | ISOL | ISOL | ISOL | ISOL | ISOL | ISOL | ISOL |
| 31 | TAMILNADU & PUDUCHERRY | ISOL | ISOL | ISOL | ISOL | ISOL | ISOL | ISOL |
| 32 | COSTAL KARNATAKA | WS | WS | WS | WS | WS | WS | WS |
| 33 | NORTH INTERIOR KARNATAKA | FWS | FWS | SCT | SCT | SCT | FWS | FWS |
| 34 | SOUTH INTERIOR KARNATAKA | FWS | FWS | SCT | SCT | SCT | FWS | FWS |
| 35 | KERALA AND MAHE | WS | WS | WS | WS | WS | WS | WS |
| 36 | LAKSHADWEEP | WS | WS | WS | FWS | FWS | FWS | FWS |

- **जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।**

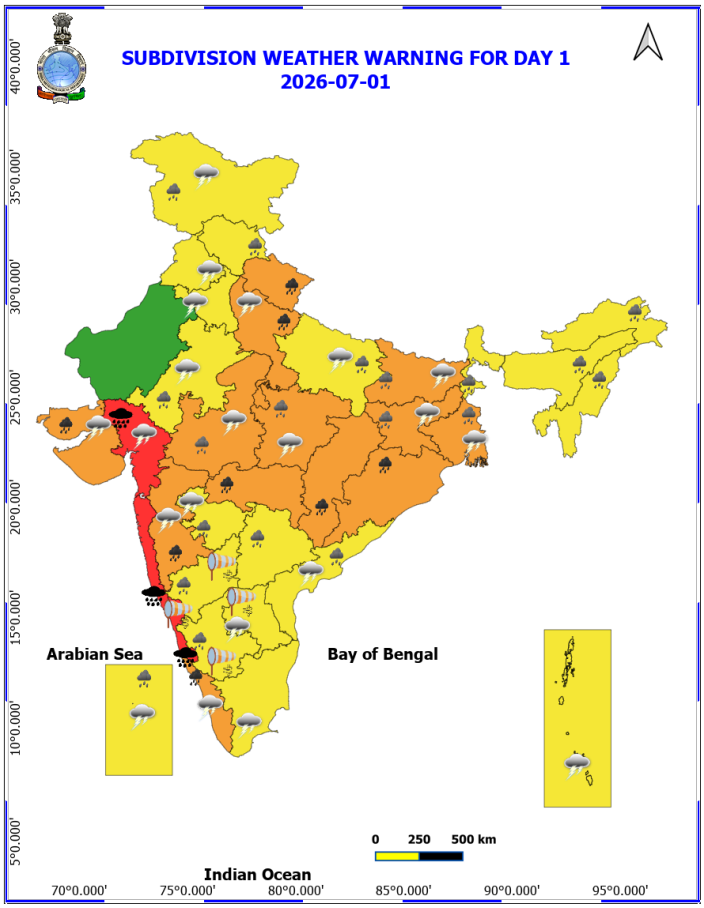
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 1
2026-07-01
40°0.000'
35°0.000'
30°0.000'
25°0.000'
20°0.000'
15°0.000'
10°0.000'
5°0.000'
Arabian Sea
Bay of Bengal
0 250 500 km
Indian Ocean
70°0.000'
75°0.000'
80°0.000'
85°0.000'
90°0.000'
95°0.000'

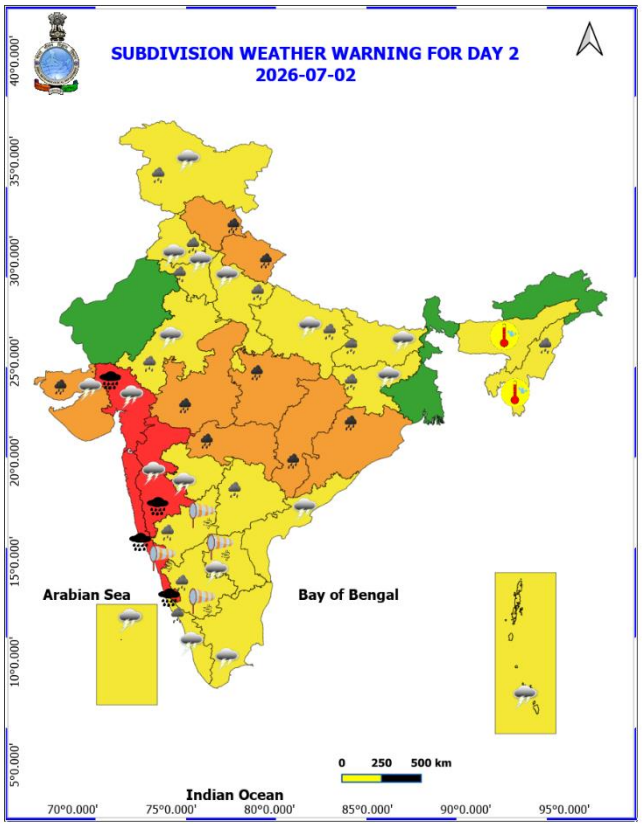
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 2
2026-07-02
40°0.000'
35°0.000'
30°0.000'
25°0.000'
20°0.000'
15°0.000'
10°0.000'
5°0.000'
Arabian Sea
Bay of Bengal
0 250 500 km
Indian Ocean
70°0.000'
75°0.000'
80°0.000'
85°0.000'
90°0.000'
95°0.000'

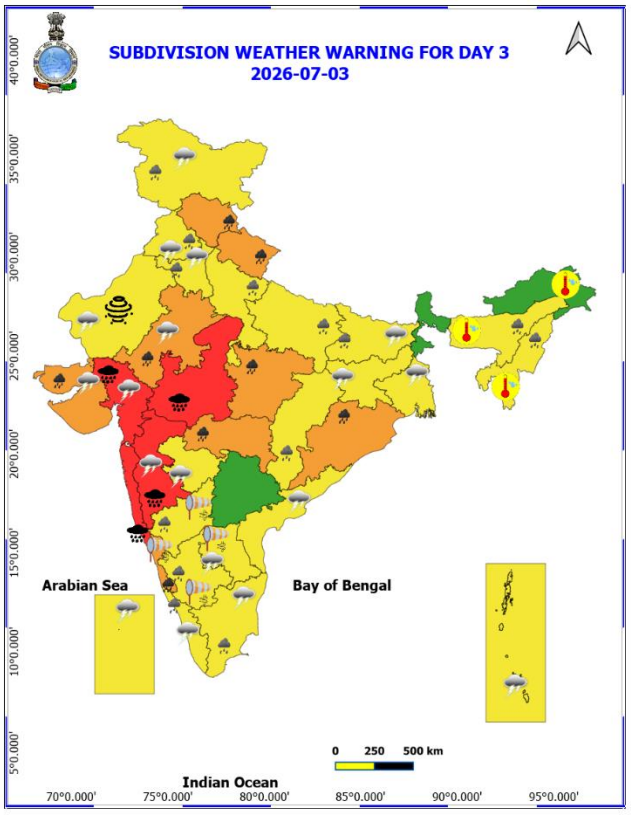
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 3
2026-07-03
40°0.000'
35°0.000'
30°0.000'
25°0.000'
20°0.000'
15°0.000'
10°0.000'
5°0.000'
Arabian Sea
Bay of Bengal
0 250 500 km
Indian Ocean
70°0.000'
75°0.000'
80°0.000'
85°0.000'
90°0.000'
95°0.000'

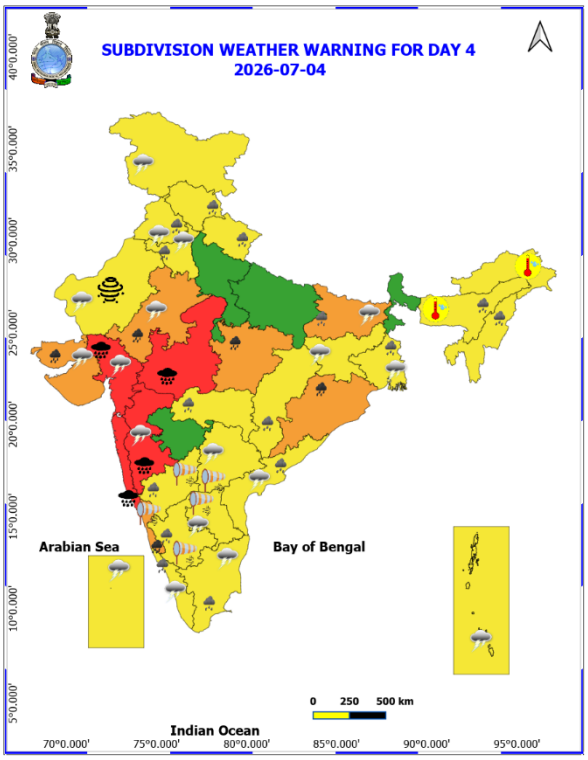


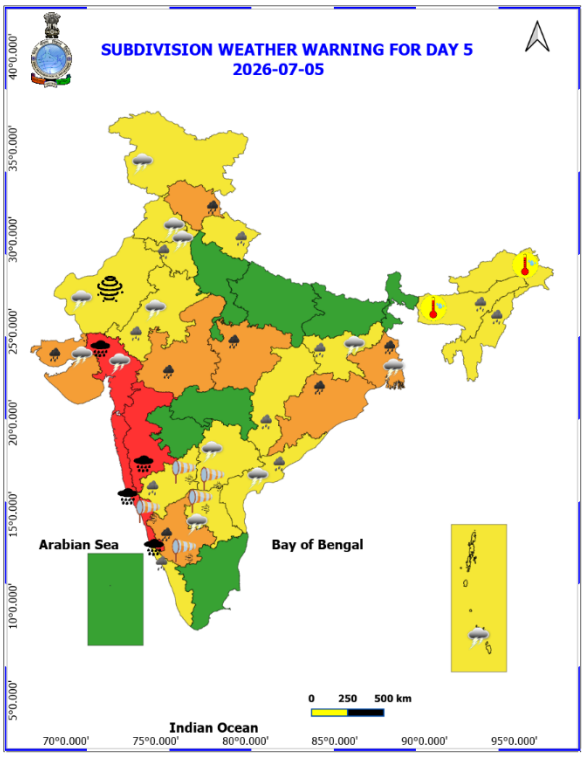


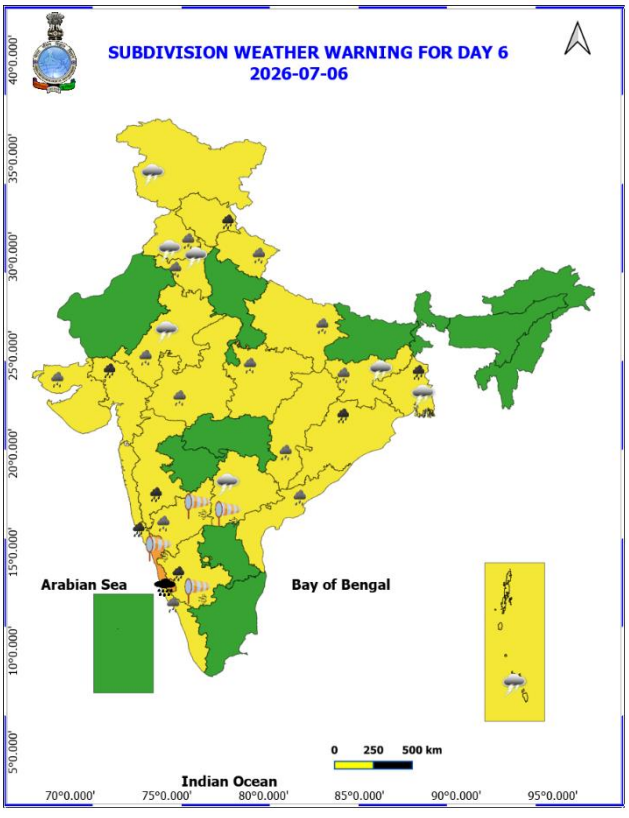


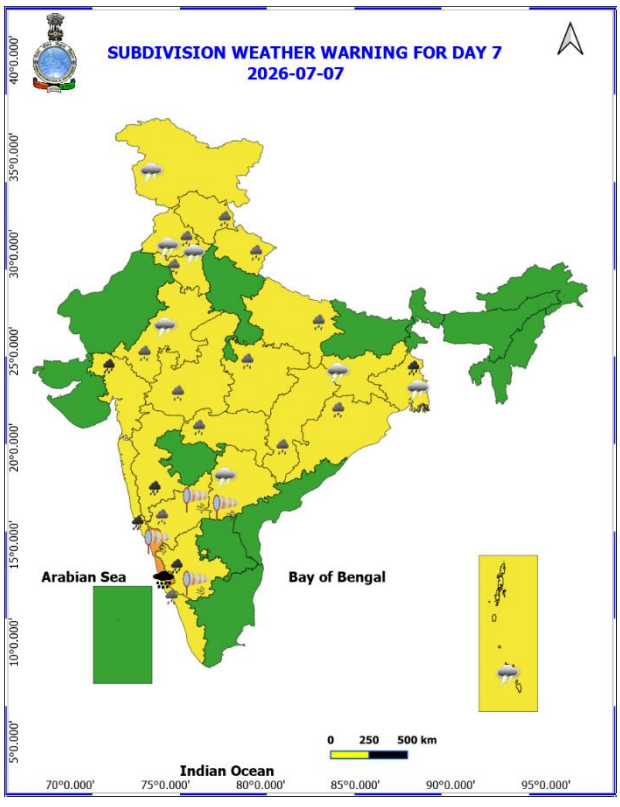


- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

**अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है**

https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

## 01 जुलाई से 04 जुलाई 2026 के दौरान दिल्ली/NCR में मौसम का पूर्वानुमान

पिछले मौसम का हाल:

पिछले 24 घंटों में दिल्ली में अधिकतम तापमान में 1-2°C और न्यूनतम तापमान में 2-5°C की गिरावट आई है। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में अधिकतम तापमान 40-41°C और न्यूनतम तापमान 25-29°C के बीच रहा। कुछ जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से 3.0°C) और दिल्ली के बाकी हिस्सों में सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहा। ज़्यादातर जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से काफी ज़्यादा (3.1°C से 5.0°C) और दिल्ली के बाकी हिस्सों में सामान्य से ज़्यादा (1.6°C से 3.0°C) रहा। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में आसमान आंशिक रूप से बादल वाला रहा और दक्षिण-पश्चिम दिशा से 20 किमी/घंटा की रफ़्तार से ज़मीनी हवा चली, जिसकी गति कभी-कभी 37 किमी/घंटा तक पहुँच गई। पिछले 24 घंटों में दिल्ली में कई जगहों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश हुई। आज सुबह के समय इस इलाके में दक्षिण-पूर्व दिशा से 20 किमी/घंटा तक की रफ़्तार से ज़मीनी हवा चलने और आसमान में आमतौर पर बादल छाए रहने की संभावना है।

मौसम का पूर्वानुमान:

01.07.2026: आसमान में आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। कई जगहों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश और कुछ जगहों पर मध्यम बारिश हो सकती है। साथ ही, दोपहर/शाम के समय आंधी-तूफान/बिजली कड़कने/40-50 किमी/घंटा (जो 60 किमी/घंटा तक पहुँच सकती है) की तेज़ हवाएं चलने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 36-38°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में ज़्यादातर जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा। दोपहर के समय दक्षिण-पूर्व दिशा से ज़मीनी हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति 25 किमी/घंटा तक पहुँच सकती है। शाम और रात के समय हवा की गति कम होकर दक्षिण-पूर्व दिशा से 20 किमी/घंटा तक रह जाएगी।

02.07.2026: आसमान में आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। कई जगहों पर हल्की बारिश और कुछ जगहों पर मध्यम बारिश के साथ आंधी-तूफान/बिजली कड़कने/तेज़ हवाएं (40-50 किमी/घंटा, जो सुबह/दोपहर से पहले 60 किमी/घंटा तक पहुंच सकती हैं) चलने की संभावना है। शाम/रात के समय बहुत हल्की से हल्की बारिश/आंधी-तूफान/बिजली कड़कने/तेज़ हवाएं (40-50 किमी/घंटा, जो 60 किमी/घंटा तक पहुंच सकती हैं) चलने का एक और दौर हो सकता है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 32°C से 34°C और 22°C से 24°C के बीच रहने की संभावना है। कई जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से काफी कम (-5.1°C या उससे कम) रहेगा, और दिल्ली में ज़्यादातर जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से काफी कम (-3.1°C से 5.0°C) रहेगा। सुबह के समय मुख्य रूप से दक्षिण-पूर्व दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति 15 किमी/घंटा तक हो सकती है। दोपहर के समय हवा की गति बढ़कर 18 किमी/घंटा तक हो जाएगी और हवा पूर्व दिशा से चलेगी। शाम और रात के समय हवा की गति कम होकर 15 किमी/घंटा तक हो जाएगी और हवा पूर्व दिशा से चलेगी।

03.07.2026: आमतौर पर आसमान में बादल छाए रहेंगे। सुबह/दोपहर से पहले बहुत हल्की से हल्की बारिश/आंधी-तूफान/बिजली कड़कने/तेज़ हवाएं (30-40 किमी/घंटा, जो 50 किमी/घंटा तक पहुंच सकती हैं) चलने का एक या दो दौर हो सकता है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 32°C से 34°C और 22°C से 24°C के बीच रहने की संभावना है। कई जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से काफी कम (-5.1°C या उससे कम) रहेगा, और दिल्ली में ज़्यादातर जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से काफी कम (-3.1°C से 5.0°C) रहेगा। सुबह के समय मुख्य रूप से पूर्व दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति 15 किमी/घंटा तक हो सकती है। दोपहर के समय हवा की गति बढ़कर 18 किमी/घंटा तक हो जाएगी और हवा पूर्व दिशा से चलेगी। शाम और रात के समय हवा की गति कम होकर 15 किमी/घंटा तक हो जाएगी और हवा दक्षिण-पूर्व दिशा से चलेगी। 04.07.2026: आम तौर पर बादल छाए रहेंगे। सुबह/दोपहर से पहले बहुत हल्की से हल्की बारिश/तूफान/बिजली चमकने/30-40 किमी/घंटा की तेज़ हवाओं (जो 50 किमी/घंटा तक पहुँच सकती हैं) की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 33°C से 35°C और 23°C से 25°C के बीच रहने की संभावना है। ज़्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से काफी कम (-3.1°C से -5.0°C) और अधिकतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा। सुबह के समय मुख्य रूप से दक्षिण-पूर्व दिशा से 15 किमी/घंटा

तक की गति वाली हवा चलने की संभावना है। दोपहर के समय हवा की गति बढ़कर 18 किमी/घंटा हो जाएगी और हवा पूर्व दिशा से चलेगी। शाम और रात के समय हवा की गति बढ़कर 20 किमी/घंटा हो जाएगी और हवा पूर्व दिशा से चलेगी।

बिजली कड़कने/तेज़ हवाओं के साथ आंधी के कारण संभावित असर और सुझाए गए उपाय:

धूल उड़ाने वाली ज़मीनी हवाओं के साथ आंधी, बिजली कड़कने और तेज़ हवाएं (40-50 किमी/घंटा, जो 60 किमी/घंटा तक पहुंच सकती हैं) चलने की संभावना है।

- संभावित असर: पेड़ों की टहनियां टूटना और बड़े पेड़ों का उखड़ना, सूखे पेड़ों की टहनियां गिरना, नुकसान...

**सुझाए गए कदम**

- ❖ अपनी मंजिल के लिए निकलने से पहले अपने रास्ते पर ट्रैफिक जाम की स्थिति की जांच कर लें।
- ❖ इस संबंध में जारी की गई किसी भी ट्रैफिक एडवाइजरी (सलाह) का पालन करें।
- ❖ उन इलाकों में जाने से बचें जहां अक्सर जलभराव की समस्या होती है।
- ❖ कमजोर ढांचों (इमारतों) में रहने से बचें।

**बिजली कड़कने और तेज़ हवाओं के साथ कहीं-कहीं आंधी-तूफान की संभावना और उससे जुड़े सुझाव**

- ❖ 1 जुलाई को पूर्वी मध्य प्रदेश और पश्चिमी मध्य प्रदेश में तेज़ हवाओं के साथ तूफ़ान (हवा की गति 50-60 किमी/घंटा, झोंकों के साथ 70 किमी/घंटा तक) आने की संभावना है।

संभावित असर:

- ❖ पेड़ों की टहनियां टूट सकती हैं, बड़े पेड़ उखड़ सकते हैं। पेड़ों से बड़ी सूखी टहनियां गिर सकती हैं। खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है।
- ❖ केले और पपीते के पेड़ों को थोड़ा या ज़्यादा नुकसान हो सकता है।
- ❖ टहनियां टूटने से बिजली और संचार लाइनों को थोड़ा या ज़्यादा नुकसान हो सकता है।
- ❖ तेज़ हवा/ओलावृष्टि से बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है।
- ❖ तेज़ हवाओं से कमज़ोर ढांचों को आंशिक नुकसान हो सकता है।
- ❖ कच्चे घरों/दीवारों और झोपड़ियों को थोड़ा नुकसान हो सकता है।
- ❖ हल्की चीज़ें उड़ सकती हैं।

सुझाए गए उपाय:

- ❖ लोगों को सलाह दी जाती है कि वे मौसम की स्थिति पर नज़र रखें और ज़रूरत पड़ने पर सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए तैयार रहें।
- ❖ घर के अंदर रहें, खिड़कियां और दरवाज़े बंद रखें और हो सके तो यात्रा न करें।
- ❖ सुरक्षित आश्रय लें; पेड़ों के नीचे आश्रय न लें।
- ❖ कंक्रीट के फर्श पर न लेटें और कंक्रीट की दीवारों के सहारे न खड़े हों।
- ❖ बिजली/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का प्लग निकाल दें।
- ❖ तुरंत जलाशयों से बाहर निकल आएं।
- ❖ बिजली का संचालन करने वाली सभी चीज़ों से दूर रहें।

## भारी/बहुत भारी/अत्यधिक बारिश के कारण संभावित असर और सुझाव

- 1 से 5 तारीख के दौरान गुजरात क्षेत्र, कोंकण और गोवा में; 2 से 5 तारीख के दौरान मध्य महाराष्ट्र में; और 3 व 4 जुलाई को पश्चिमी मध्य प्रदेश में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।

संभावित असर

- मुख्य रूप से शहरी इलाकों में सड़कों पर स्थानीय स्तर पर बाढ़, निचले इलाकों में जलभराव और अंडरपास बंद होने की स्थिति।
- भारी बारिश के कारण कभी-कभी दृश्यता (visibility) कम हो सकती है।
- सड़कों पर जलभराव के कारण बड़े शहरों में यातायात बाधित हो सकता है और यात्रा में अधिक समय लग सकता है।
- कच्ची सड़कों को थोड़ा नुकसान हो सकता है।
- कमज़ोर ढांचों को नुकसान होने की संभावना है।  स्थानीय स्तर पर भूस्खलन/कीचड़ का बहाव/ज़मीन धंसने जैसी घटनाएं।
- पानी भरने के कारण कुछ इलाकों में बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान।
- कुछ नदियों के जलग्रहण क्षेत्रों में नदी में बाढ़ आ सकती है (नदी में बाढ़ के बारे में जानकारी के लिए CWC का वेब पेज देखें)।

सुझाए गए उपाय

- अपनी मंज़िल के लिए निकलने से पहले रास्ते में ट्रैफ़िक जाम की स्थिति देख लें।
- इस संबंध में जारी ट्रैफ़िक सलाहों का पालन करें।
- अक्सर जल-जमाव (पानी भरने) की समस्या वाले इलाकों में जाने से बचें।
- कमज़ोर या असुरक्षित इमारतों में रहने से बचें।

## भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- **उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल** में, धान की नर्सरी को पुआल की मल्चिंग, सूखी घास या अस्थायी पॉलीथीन / एग्रो-नेट से ढककर सुरक्षित रखें ताकि बीज बहने, अंकुरण खराब होने और पौधों के नुकसान से बचा जा सके। जूट, अदरक, मिर्च, टमाटर और डल्ले खोरसानी के खेतों तथा खरीफ धान, रागी एवं सब्जियों की नर्सरी से अतिरिक्त जल की निकासी करें।
- **ओडिशा** में, भारी बारिश के दौरान मूंग की बुवाई न करें। धान, मक्का, मोटे अनाज और दलहन फसलों के खेतों तथा फलों के बागानों से अतिरिक्त वर्षा जल की निकासी हेतु उचित प्रावधान करें।
- **बिहार** में, मूंग की पकी हुई फलियों की कटाई करें और कटी हुई फसल को सुरक्षित स्थान पर रखें। धान की नर्सरी और मक्के के खेतों में पर्याप्त जल निकासी की उचित व्यवस्था करें।
- **मध्य प्रदेश** में, परिपक्व मूंग, सब्ज़ियों और फलों की कटाई करें और फसल को सुरक्षित स्थान पर भंडारित करें।
- **छत्तीसगढ़** में, धान और सब्ज़ियों की नर्सरी में जल निकासी की सुविधा सुनिश्चित करें।
- **दक्षिण गुजरात** में, धान की नर्सरी; गन्ने, भिंडी, सब्जियों एवं रतालू के खेतों तथा चीकू के बागानों से अतिरिक्त जल की निकासी करें।
- **कोंकण** में, धान, रागी और सब्जियों की नर्सरी में बुवाई; मूंगफली और कद्दू-वर्गीय सब्जियों की बुवाई तथा नए बागानों की रोपाई जैसे आम, नारियल, काजू व सुपारी आदि का कार्य कुछ समय के लिए स्थगित रखें। धान और रागी की नर्सरियों तथा धान और सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त जल की निकासी करें।
- **मध्य महाराष्ट्र** के घाट क्षेत्रों में, धान और रागी की नर्सरियों में अतिरिक्त जल निकासी का उचित प्रबंध करें।
- **विदर्भ** में, सब्जियों की नर्सरी और फलों के बागानों में जल निकासी की सुविधा सुनिश्चित करें।
- **केरल** में, केले, नारियल, इलायची, अदरक, काली मिर्च और सब्जियों से अतिरिक्त जल की निकासी करें। केले के पौधों को सहारा प्रदान करें और सब्जियों के पंडालों को मजबूत करें। भारी बारिश के दौरान धान की रोपाई न करें।

- **तटीय कर्नाटक** में, धान की पौधशालाओं, धान के खेतों तथा फलों के बागानों में पानी जमा होने से रोकने के लिए जल निकासी की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करें।
- **दक्षिण आंतरिक कर्नाटक** में, सुपारी और नारियल के खेतों में उचित जल निकासी की व्यवस्था करें।
- **हिमाचल प्रदेश** में, मक्का, रागी और सब्जियों के खेतों में पानी जमा होने से बचाने के लिए जल निकासी की उचित व्यवस्था करें।
- **उत्तराखंड** में, धान, मक्का, टमाटर, मिर्च, सनवा और रागी के खेतों से अतिरिक्त वर्षा जल की निकासी हेतु उचित व्यवस्था सुनिश्चित करें।
- **उत्तर प्रदेश** में, मक्का, मूंग और उड़द की परिपक्व फसलों की कटाई और मड़ाई का कार्य पूर्ण कर लें तथा उपज को सूखी जगह पर रखें।
- **असम** में, धान की नर्सरी, जूट, अदरक, हल्दी, सब्ज़ियों, केले, खट्टे फलों और पपीते के खेतों से अतिरिक्त जल की निकासी करें। गन्ने की फसल को गिरने से बचाने के लिए उसे यांत्रिक सहारा प्रदान करें।
- **मेघालय** में, धान की नर्सरी, मक्का, अदरक, लोबिया और सब्जियों के खेतों तथा केले के बागानों से अतिरिक्त जल निकासी के लिए आवश्यक प्रबंध करें। छोटे पौधों को भारी बारिश से सीधे संपर्क में आने से बचाएं। अधिक भार से झुके हुए पौधों को सहारा देने के लिए प्रॉपिंग (बांस या लकड़ी के डंडों) का उपयोग करें।
- **मणिपुर** में, सोयाबीन, उड़द, मिर्च, अदरक, हल्दी, केला और अन्य फसलों के खेतों के साथ-साथ हाल ही में लगाई गई पौध और नर्सरी की फसलों में जलजमाव से बचाव हेतु जल निकासी की उचित व्यवस्था करें।
- **त्रिपुरा** में, भारी बारिश के दौरान धान और सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त पानी निकालने हेतु जल निकासी की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करें।

## तूफान / तेज़ हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित करें या खेतों में उपज को तिरपाल की चादर से ढक दें। तेज सतही हवाओं से विस्थापन के जोखिम को कम करने के लिए कटी हुई फसलों को सुरक्षित रूप से बांधें और ढक दें।
- बागवानी फसलों, सब्जियों और फलों के नए पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

## पशुपालन / कुक्कुट पालन / मत्स्य पालन

- भारी वर्षा के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार दें।
- चारे और पशु आहार को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।
- उच्च तापमान और ऊष्ण लहर वाले क्षेत्रों में पशुओं को पर्याप्त मात्रा में पीने का साफ पानी उपलब्ध कराएं तथा पोल्ट्री शेड की छत को घास से ढकें ताकि गर्मी के प्रतिकूल प्रभाव को कम किया जा सके।
- तालाबों के चारों ओर जाली सहित उचित निकास की व्यवस्था करें ताकि अधिक जल भराव की स्थिति में मछलियां बाहर न निकलें।

राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र
भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

National Weather Forecasting Centre
India Meteorological Department
Ministry of Earth Sciences

# LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप

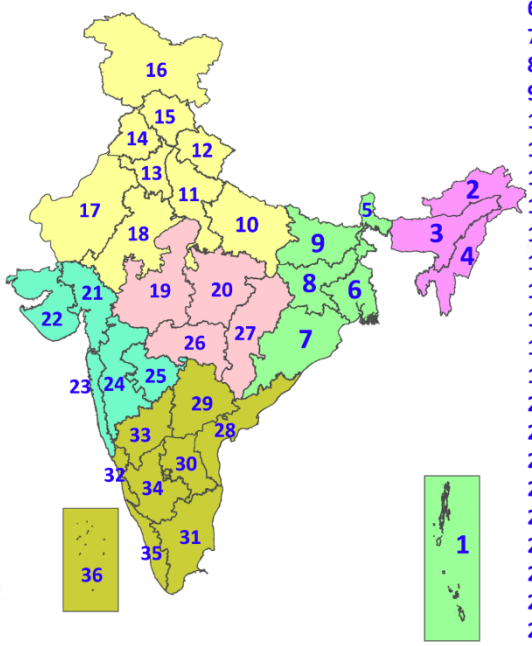


1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

## SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

| % Stations | Category | % Stations | Category |
|---|---|---|---|
| 76-100 | Widespread (WS/Most Places) | 26-50 | Scattered (SCT/A Few Places) |
| 51-75 | Fairly Widespread (FWS/Many Places) | 1-25 | Isolated (ISOL) |

Fog
Heavy Rain
Very Heavy Rain
Extremely Heavy Rain
Thunder & Lightning
Hailstorm
Dust Raising Winds

Heavy Snow
Dust Storm
Heat Wave
Warm Night
Hot Day
Hot & Humid
Strong Surface Winds

Cold Wave
Cold Day
Ground Frost

**COLOUR CODED WARNING**

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

## Probabilistic Forecast

| Terms | Probability of Occurrence (%) |
|---|---|
| Unlikely | < 25 |
| Likely | 25 - 50 |
| Very Likely | 50 - 75 |
| Most Likely | > 75 |

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit https://mausam.imd.gov.in or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)

राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र
भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

National Weather Forecasting Centre
India Meteorological Department
Ministry of Earth Sciences

# DEFINITION/CRITERIA

## Rain/ Snow *

- **Heavy:** 64.5 to 115.5 mm/cm *
- **Very Heavy:** 115.6 to 204.4 mm/cm*
- **Extremely Heavy:** > 204.4 mm/cm *

## Heat Wave

**When maximum temperature of a station reaches ≥40° C for plains and ≥30° C for hilly regions**

**(a) Based on Departure from normal**

- **Heat Wave:** Maximum Temperature Departure from normal 4.5° C to 6.4° C.
- **Severe Heat Wave:** Maximum Temperature Departure from normal ≥6.5° C

**(b). Based on Actual maximum temperature**

- **Heat Wave:** When actual maximum temperature ≥45°C.
- **Severe Heat Wave:** When actual maximum temperature ≥47°C

**( c). Criteria for heat wave for coastal stations**

When maximum temperature departure is >4.5°C from normal. Heat Wave may be described provided maximum temperature ≥37°C

## Warm Night

**When maximum temperature remains 40°C**

- **Warm Night:** When minimum temperature departure 4.5 °C to 6.4 °C.
- **Severe Warm Night:** When minimum temperature departure >6.4 °C.

## Cold Wave

**When minimum temperature of a station ≤10°C for plains and ≤0°C for hilly regions.**

**(a). Based on departure**

- **Cold Wave:** Minimum Temperature Departure from normal -4.5 °C to -6.4 °C.
- **Severe Cold Wave:** Minimum Temperature Departure from normal ≤ -6.5 °C

**(b) Based on actual Minimum Temperature (for Plains only)**

- **Cold Wave :** When Minimum Temperature is ≤ 4.0 °C
- **Severe Cold Wave:** When Minimum Temperature is ≤ 2.0 °C

**( c) For Coastal Stations**

When Minimum Temperature departure is ≤-4.5 °C & actual Minimum Temperature is ≤ 15 °C

## Cold Day

**When minimum temperature of a station ≤10°C for plains and ≤0°C for hilly regions**

**Based on departure**

- **Cold Day:** Maximum Temperature Departure from normal -4.5 °C to -6.4 °C.
- **Severe Cold Day:** Maximum Temperature Departure from normal ≤ -6.5 °C

## Fog

**Phenomenon of small droplets suspended in air and the horizontal visibility < 1km**

- **Moderate Fog:** When the visibility between 500-200 metres
- **Dense Fog:** when the visibility between 50- 200 metres
- **Very Dense Fog:** when the visibility < 50 metres

## Thunderstorm

**Sudden electrical discharges manifested by a flash of light (Lightning) and a sharp rumbling sound (thunder)**

## Dust/Sand Storm

**An ensemble of particles of dust or sand energetically lifted to great heights by a strong and turbulent wind.**

## Frost

**Ice deposits on ground**

- Air temperature ≤4°C ( over Plains)

## Squall

**A strong wind that rises suddenly, lasts for atleast 1 minute.**

- **Moderate**: Wind speed 52-61 kmph
- **Severe**: Wind speed 62-87 kmph
- **Very Severe**: Wind speed >87 kmph

## Sea State

**Effect of various waves in the sea over specific area**

- **Rough to very rough**: Wind speed 41-62 kmph (22-33 knots) & Wave height 2.5-6 metre
- **High to very high**: Wind speed 63-117 kmph ( 34-63 knots) & Wave height 6-14 metre
- **Phenomenal**: Wind speed >117 kmph (>63 knots) & Wave height >14 metre

## Cyclone

- **Cyclonic Storm**: Wind speed 62-87 kmph (34-47 knots)
- **Severe Cyclonic Storm**: Wind speed 88-117 kmph (48-63 knots)
- **Very Severe Cyclonic Storm**: Wind speed 118-165 kmph (64 - 89 knots)
- **Extremely Severe Cyclonic Storm**: Wind speed 166-220 kmph (90 -119 knots)
- **Super Cyclone Strom**: Wind speed >220 kmph (>119 knots)

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".

Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.

For more details, kindly visit https://mausam.imd.gov.in or contact: 011-2434-4599

(Service to the Nation since 1875)